

ANCHOR

यूनिवर्सिटी ऑफ मैसाचुसेट्स के रॉबर्ट्स से बातचीत

पब्लिक पॉलिसी हो करिकुलम का हिस्सा

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जयपुर ♦ पब्लिक पॉलिसी को आज करिकुलम का पार्ट बनाने की जरूरत है। एजुकेशन सिस्टम में पब्लिक पॉलिसी को सब्जेक्ट के रूप में शामिल करने से स्टूडेंट्स गवर्नमेंट के लिए थिंक टैंक के रूप में काम करेंगे। वहीं कॉमन मैन भी पॉलिसी मेकिंग का हिस्सा बन सकेगा। ये कहना है यूएसए की यूनिवर्सिटी ऑफ मैसाचुसेट्स की स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी के डायरेक्टर एलसडेयर रॉबर्ट्स का। सोमवार को अजमेर रोड स्थित जेके लक्ष्मीपत यूनिवर्सिटी (जेकेएलयू) में पब्लिक पॉलिसी पर शुरू हुई दो दिवसीय इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस के पहले दिन रॉबर्ट्स ने कहा कि जब पॉलिसी मेकिंग में कॉमन मैन का पार्टिसिपेशन होगा, तभी वह सही मायने में लोगों के लिए फायदेमंद साबित होगी।



आशीष गुप्ता एलसडेयर रॉबर्ट्स आरएल रायना

ग्रासरूट पर नहीं इम्प्लीमेंटेशन के वक्त पता चलता है

उन्होंने कहा कि पर्सनल सिक्योरिटी, ह्यूमन राइट्स, क्वालिटी एजुकेशन, हेल्थ जैसे इम्पोर्टेंट एलीमेंट्स पब्लिक पॉलिसी का हिस्सा हैं। इंडिया में आमतौर पर कोई पॉलिसी बनने के बाद लोगों को पता चलता है। ग्रासरूट की बजाय इम्प्लीमेंट होने के टाइम लोगों को इसकी जानकारी दी जाती है। इसके लिए एजुकेशन सबसे बड़ा फैक्टर है। पहली बात तो लोग अवेयर नहीं होते हैं और जिन्हें पता होता है, वे लोग इंटरेस्ट नहीं लेते हैं। इंडिया जैसे ग्रोइंग कंट्री में पब्लिक पॉलिसी को लेकर आज अवेयरनेस लाने की जरूरत है।

एजुकेशन में इनोवेशन

रॉबर्ट्स ने कहा कि सोसायटी के साथ एजुकेशन में भी इनोवेशन होने चाहिए। यूएस में पब्लिक पॉलिसी में लोगों का पार्टिसिपेशन रहता है। हालांकि पापुलेशन यहां एक बड़ा ड्रॉ बैक है। जेकेएलयू के वाइस चांसलर आरएल रायना ने कहा कि वर्तमान में पब्लिक पॉलिसी एक्सपर्ट्स की ग्लोबली काफी डिमांड है। यूनिवर्सिटी के प्रो-वीसी आशीष गुप्ता ने भी अपने विचार रखे।